ॐ

विश्व हिन्दू परिषद – धर्म संसद, रॉयल गार्डन, उडुपी (कर्नाटक)

दिनांक 24, 25, 26 नवम्बर, 2017

प्रस्ताव – 4

भारत में अनेक शासकीय सुविधाएँ जो धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्राप्त हैं परन्तु वे धार्मिक बहुसंख्यकों को प्राप्त नहीं हैं। इसके परिणामस्वरूप अनेक धार्मिक बहुसंख्यक स्वयं को अल्पसंख्यक श्रेणी में रखना चाहते हैं।

अतः धर्मसंसद का यह 15वां अधिवेशन भारत सरकार का आह्वान करता है कि वह भारतीय संविधान में ऐसा संशोधन करें ताकि जो शासकीय सुविधाएँ धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्राप्त हैं वे सभी सुविधाएँ धार्मिक आधार पर बहुसंख्यकों को भी प्राप्त हों।

प्रस्तावक : पेजावर पीठाधीश्वर विश्वेशतीर्थ जी महाराज, उडुपी

अनुमोदक : महंत कमलनयन दास जी महाराज, अयोध्या

दिनांक 26 नवम्बर, 2017